पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.04.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद
उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में

प. गुरुदत्त विद्यार्थी जन्मोत्सव

रविवार 28 अप्रैल 2024,
प्रातः 8 से 11.00 बजे तक
स्थानः आर्य समाज हापुड़

निवेदक:
आनंद प्रकाश आर्य अध्यक्ष
प्रवीण आर्य महामंत्री

वर्ष-40 अंक-22 बैसाख-2081 दयानन्दाब्द 201 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.04.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य को सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी बनाने का अधिकार दिया गया

नई दिल्ली, रविवार 7 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अन्तरंग सभा की बैठक सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा मुख्यालय दयानन्द भवन, आसफ़ अली रोड, नई दिल्ली में संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न प्रांतों के आर्य प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। बैठक में आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश में युवाओं के चरित्र निर्माण व संस्कारित करने के लिए युवा निर्माण शिविर लगाने का निश्चय हुआ।राष्ट्रीय शिविर शिक्षाविद डॉ. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा में शनिवार 1 जून से रविवार 9 जून 2024 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में 250 युवक भाग लेंगे और उन्हें मातृ पितृ भक्त,देशभक्त, ईश्वरभक्त बनाने के साथ साथ योगासन,लाठी,जूडो कराटे, बाक्सिंग,स्तूप आदि आत्म रक्षा शिक्षण भी दिया जाएगा। केन्द्रीय आर्य युवक

(शेष पृष्ठ 4 पर)

हरिद्वार में योग साधना शिविर सम्पन्न

हरिद्वार, रविवार 31 मार्च 2024, वैदिक योग आश्रम, आनंदधाम हरिपुर कलां,हरिद्वार में गत एक सप्ताह से चल रहे योग साधना शिविर का भव्य समापन हो गया। शिविर में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब आदि से लगभग 90 साधकों ने भाग लिया।वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी ने कहा कि मनुष्य को अहंकार को छोडकर ओंकार से जुड़ना चाहिए। मनुष्य को जो मिला है वह ईश्वर से मिला है फिर मानव मैं का अहंकार क्यों पाल लेता है। हमें अपना कार्य ईश्वर को समर्पित करके करना चाहिये। उन्होंने कहा की पतंजलि योग दर्शन के यम और नियम से व्यक्तिगत एवं राष्ट्र की उन्नति संभव है। चारों वेदों में योग विषयक मंत्र हैं। पतंजलि महाराज ने ईश्वर सानिध्य एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए अष्टांग योग का विवेचन किया है।यम,नियम,आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार,धारणा ध्यान समाधि यह अंग हैं। महर्षि पतंजलि प्रतिपादित यम और नियम साधक की मनोदशा को उन्नत बनाते हैं।अविद्या का नाश होता है।ज्ञान का प्रकाश होता है। जीवन सतोगुण प्रधान हो जाता है।उनके अनुसार अहिंसा,सत्य,अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह यह पांच यम हैं। शौच, संतोष,तप,स्वाध्याय तथा ईश्वर प्रणिधान यह 5 नियम हैं।इस मार्ग पर चलकर ईश्वर साक्षात्कार एवं मोक्ष प्राप्ति संभव है। समारोह के विशिष्ट अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि योग शिविर आत्मिक उन्नति का उत्तम साधन है मनुष्य शांत भाव से स्वयं को समझ पाता है कि वह संसार में क्यों आया है और क्या करना है?आत्मावलोकन स्वयं को सुधारने की सुन्दर पहल है। साथ ही उन्होंने देश की वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्रवादी शक्तियों को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना राष्ट्रीय एकता में बाधक है इससे राष्ट्र कमजोर होगा।लोगों को जातिवाद प्रांतवाद के नाम पर बांटना घातक सिद्ध होगा। आचार्य देव आर्य ने मधुर भजन सुनाए।आश्रम के संरक्षक संजीव रैली एडवोकेट ने सभी की सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से शिव नारायण ग्रोवर इंदिरा पुरम,सतीश ग्रोवर,कमलेश साहनी, मनीष नारंग, प्रवीण आर्य पिंकी, आस्था आर्य, पाला राम आर्य, मीना आर्य, विजय हंस, अर्जुन दास बत्रा आदि उपस्थित थे।

गुरुकुल खेड़ा खुर्द का 80 वाँ स्थापना दिवस सम्पन्न

राष्ट्रवादी शक्तियां को मजबूत करें –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

दिल्ली देहात, सोमवार 14 अप्रैल 2024,गुरुकुल खेड़ा खुर्द के 80 वें वार्षिकोत्सव का भव्य समापन हो गया। आचार्य राजकुमार शास्त्री यज्ञ के ब्रह्मा रहे।चौधरी ब्रह्म प्रकाश मान ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा है आज देश में दो विचार धाराओं का टकराव चल रहा हैं एक विचार धारा देश को बांटना चाहती है और एक भारत को गौरव शाली राष्ट्र बनाना चाहती है हमें राष्ट्र वादी विचार को मजबूत बनाने के लिए उन्हें मजबूत करना है। देश की आजादी में आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा आज फिर चौकीदार के रूप में राष्ट्र रक्षा के लिए समर्पित होना है।यदि राष्ट्र सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं अन्यथा पाकिस्तान में भी सब कुछ था।वैसाखी 13 अप्रैल 1919 जलियांवाला बाग अमृतसर के बलिदानी को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव जी योग व आयुर्वेद की महान सेवा कर रहे हैं जो प्रशंसनीय है। प्रधान ब्रह्मप्रकाश मान ने कहा कि गुरुकुल में 150 छात्र निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं साथ ही 150 गायों की गौशाला भी सुचारू रूप से चल रही है। सभी के सहयोग के लिये आभार व्यक्त करते हैं। आचार्य सुधांशु ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रमुख रूप से दानवीर सुनील गुप्ता, ललित गुप्ता, संजय मान, सोहन लाल मुखी, अंगद सिंह आर्य, जोगेंद्र मान आदि उपस्थित थे।

आर्य कन्या गुरुकुल राजेन्द्र नगर का उत्सव सम्पन्न

शनिवार 13 अप्रैल 2024, आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। वैदिक विदुषी पद्मश्री आचार्य सुकामा जी ने यज्ञ करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता सत्यानंद आर्य जी ने की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कन्याओं के निर्माण से उज्जवल राष्ट्र का निर्माण होता है और समाज की नीव मजबूत होती है। उन्होंने आश्रम की संचालिका साध्वी उत्तमा यति जी को भारत सरकार से पद्मश्री से सम्मानित करने की मांग की। मुख्य अतिथि अमर पाल सयुंक्त पुलिस कमिश्नर ने बालिकाओं की प्रतिभा विकास के मार्ग सिखाये। लेडी सिंघम किरण सेठी, शिव कुमार कोहली ने भी बहादुर व मजबूत बनने के गुर बताये और दिल्ली पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। डॉ. वाचस्पति जी, डॉ. जयेन्द्र आचार्य, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, आचार्य चन्द्र शेखर शास्त्री , सुश्री कंचन आर्या आदि ने भी अपने विचार रखे। दिल्ली प्रान्तीय आर्य महिला सभा की प्रधान साध्वी उत्तमा यति जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया व आर्य नेत्री आरती खुराना ने कुशल संचालन किया। प्रमुख रूप से आर्य नेता यशपाल आर्य, महेन्द्र भाई, प्रकाश कथूरिया, रेणु त्यागी, पूजा सूरी, उषा सरीन, अनिता आर्य, नीरज कुमारी, डालेश त्यागी,कविता आर्य,वरुणेंद्र कथूरिया, डॉ. आयुषि राणा, सुरेन्द्र कुमार आजमनी आदि उपस्थित थे। आर्य कन्या गुरुकुल की बालिकाओं के रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

आनंद प्रकाश आश्रम ऋषिकेश में योग साधना शिविर सम्पन्न

शनिवार 30 मार्च 2024, आचार्य विश्वकेतु जी की अध्यक्षता में योग साधना शिविर संपन्न हुआ। 10 से अधिक देशों से योग साधक सम्मिलित हुए। चित्र में आचार्य विश्वकेतु जी व प्रकाशिनी जी का अभिनंदन करते अनिल आर्य, प्रवीण आर्य पिंकी। द्वितीय चित्र में योग साधको का सामुहिक चित्र।

आशुकवि विजय गुप्त की जयंती– आशुकवि विजय गुप्त जी की 79 वी जयंती मंगलवार 23 अप्रैल 2024 को प्रातः 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली में आयोजित की जा रही है। सभी आर्य बंधु सपरिवार सादर आमंत्रित हैं –ऋचा गुप्ता

देव नगर में वैसाखी उत्सव संपन्न

रविवार 14 अप्रैल 2024 को आर्य समाज देव नगर, दिल्ली में वैसाखी उत्सव आयोजित किया गया। प्रवीण आर्य पिंकी ने मधुर गीत सुनाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। प्रधान सुशील बाली ने धन्यवाद ज्ञापन किया व मंत्री रमेश बेदी ने संचालन किया।

हरिद्वार तपोवन देहरादून बस यात्रा–वैदिक साधन आश्रम देहरादून के उत्सव में सम्मिलित होने के लिए शुक्रवार 17 मई 2024 को रात्री 10 बजे ऐसी बस जायगी, 18 मई को हरिद्वार भ्रमण करके देहरादून पहुंचे गी। वापिस रविवार 19 मई को दोपहर 2 बजे चलेगी। प्रति सीट किराया 1000/– रूपये रहेगा।

सम्पर्क– अरुण आर्य–9818530543

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 634वां वेबिनार सम्पन्न

'नववर्ष पर हमारे संकल्प' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

नववर्ष किसी जाति, धर्म या देश का नहीं है –आचार्या श्रुति सेतिया
आर्य समाज सुधारवादी आंदोलन है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 8 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'नववर्ष पर हमारे संकल्प' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 632 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि भारतीय नववर्ष हमारी संस्कृति वा सभ्यता का स्वर्णिम दिन है। यह भारतीय गरिमा में निहित अध्यात्म वा विज्ञान पर गर्व करने का अवसर है।जिस भारत भूमि पर हमारा जन्म हुआ,जहां हम रहते हैं जिससे हम जुड़े हैं उसके प्रति हमारे अंदर अपनत्व वा गर्व का भाव होना चाहिए।यह उत्सव चौत्र शुक्ल प्रथमा को मनाया जाता है। नववर्ष किसी जाति,वर्ग,देश संप्रदाय का नहीं है,अपितु यह मानव मात्र का नववर्ष है। यह संवत मानव संवत है।हम सबको एक परमात्मा की संतान समझकर मानव मात्र से प्रेम करना सीखें।ऊंच नीच की भावना,भाषावाद,संकीर्णता आदि को पाप मानकर प्राणिमात्र के प्रति मैत्री भाव जगाए।आज वेद संवत है। हम सब अनेक मत पंथों से निकलकर सम्पूर्ण भूमंडल पर एक वेद धर्म को अपनाकर प्रभु कार्य के ही पथिक बनें। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के विजय दिवस पर उस महापुरुष की स्मृति में उनके आदर्शो को अपनाकर ईश्वरभक्त,वेदभक्त, आर्य संस्कृति के रक्षक,गुरुभक्त, दुष्ट संहारक वीर, साहसी,आर्य पुरुष वा प्राणी मात्र के प्रिय बने। आज राष्ट्रीय संवत पर महाराज युधिष्ठिर,विक्रमादित्य आदि की स्मृति पर अपने प्यारे आर्यवृत्त भारत देश की एकता अखंडता एवम् समृद्धि की रक्षा का व्रत लें। ईमानदारी,प्राचीन सांस्कृतिक गौरव,सत्यनिष्ठा,देशभक्ति,कर्तव्य वा वीरता का संचार करें। आर्य समाज स्थापना दिवस होने के कारण कृणवंतो विश्वमार्यम वेद के आदेशानुसार सच्चे अर्थों में आर्य बनें एवम् संसार को आर्य बनाएं।संध्या करें,घर पर ओ३म् पताका फहराएं।यज्ञ करें,बालकों को नव संवत्सर का महत्व बताएं। शोभा यात्रा निकालें,लोगों को जागरूक करें।वेद वा संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारतीय नववर्ष मनाकर हमें इस पर गर्व करना चाहिए।आर्य समाज का 150 वां स्थापना दिवस भी है यह एक सुधार वादी आंदोलन है जो आने वाले पाखण्ड अंधविश्वास के प्रति जागरूक करता रहता है। अध्यक्ष आर्य नेत्री रजनी चुघ ने भी अपनी संस्कृति को आत्मसात करने पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने गीत गाकर बधाई दी। गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, ईश्वर देवी, कमला हंस, ललिता धवन,अनिता रेलन, सुनीता अरोड़ा, कुसुम भंडारी, शोभा बत्रा आदि के मधुर भजन हुए।

'प्रेम बदलती अभिव्यक्ति' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

प्रेम पूर्ण अस्तित्व है –अनिता रेलन

शुक्रवार 22 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में प्रेम बदलती अभिव्यक्ति विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 629 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता अनिता रेलन ने अपनी बात दोहे प्रेम बिना साहित्य के उठे ना मन में भाव, पावन प्रेम पराग से बढ़ता है सद्भाव,भक्ति भाव बिना प्रेम के उपजे नहीं सुजान,भक्ति प्रेम विस्तार है जाने सकल जहानष से शुरू की।उन्होंने कहा कि प्रेम के अनेक अनेक स्वरूप है मां बेटे का प्यार,भक्त और भगवान का प्यार,गुरु शिष्य का प्यार पर यह भौतिक स्वरूप है यही भौतिक स्वरूप आध्यात्मिक प्रेम की एक छाया है प्रेम का गुण है आनंद। प्रेम करने पर आनंद प्राप्त होता है प्रेम और आनंद आत्मा का अपना गुण है यदि प्रेम व्यक्ति के गानो पर आधारित है तब वह प्रेम स्थाई नहीं होता किसी से उसकी महानता या विशेषता के लिए प्रेम करना तीसरे दर्जे का प्रेम माना जाता है प्रेम तुम्हारा स्वभाव है जो तुम्हारा स्वभाव है वह बदल नहीं सकता यह हम सब मानते हैं हमारा जो स्वभाव है वह है हम उसे बदलने की कोशिश करते हैं पर पूर्णता हम अंदर से अपने स्वभाव को बदल नहीं सकते परंतु प्रेम की अभिव्यक्ति बदलती है वह कैसे क्योंकि प्रेम तुम्हारा स्वभाव है प्रेम के अलावा कोई चारा है ही नहीं,मां को बच्चों के लिए प्रेम है परंतु कभी उसे खिलाती है कभी सख्ती से पेश आती है यह सब वह प्रेम वश करती है।यह सभी प्रेम के विभिन्न रूप हैं अलग–अलग लोगों से मिलते हैं तो भिन्न–भिन्न प्रकार के प्रेम की अभिव्यक्ति होती है अतः प्रेम की अभिव्यक्ति बदलती है परंतु प्रेम स्वयं नहीं बदलता क्योंकि प्रेम तुम्हारा स्वभाव है ध्यान रहे की प्रेम तुम्हारा स्वभाव है इसलिए नहीं बदलता।प्रेम कोई भावना नहीं है वह तो पूर्ण अस्तित्व है कहते भी है प्रेम को प्रेम ही रहने दो उसे कोई नाम ना दो जब तुम प्रेम को नाम देते हो तब वह एक संबंध बन जाता है और संबंध प्रेम को सीमित कर देता है तुममें भी और मुझमें प्रेम है बस उसे रहने दो यदि तुम प्रेम को भाई–बहन माता–पिता गुरु का नाम देते हो तब उससे संबंध बना रहे हो संबंध प्रेम को सीमित करता है केवल वही व्यक्ति सच्चा प्रेम कर सकता है जिसने त्याग किया है जिस मात्रा में तुम त्याग करते हो वही तुम्हारी प्रेम की क्षमता है सच्चा प्रेम अधिकार नहीं जताता वह स्वतंत्रता लाता है,उसमें कोई इच्छा नहीं रह जाती मुझे और कुछ नहीं चाहिए मुझे केवल प्रेम चाहिए था जो मिल गया प्रेम में और कोई इच्छा नहीं होती प्रेम और वैराग्य विपरीत प्रतीत होते हुए भी एक ही सिक्के की दो पहलू है,ऊपर कहा था प्रेम तुम्हारा स्वभाव है और प्रेम में पीड़ा उसकी प्रथम अंतर्दृष्टि है।ऊर्जा दूसरी अंतर्दृष्टि है और दिव्य प्रेम तीसरी अंतर्दृष्टि है दिव्य प्रेम की एक झलक संपूर्णता लाती है और सभी सांसारिक सुखों को तुच्छ बना देती है।चौथी अंतर्दृष्टि समाधि और पांचवी है अद्वैत के प्रति सजगता अर्थात सब कुछ बस सिर्फ एक से ही बना है।प्रेम तीन प्रकार का होता है पहला जो आकर्षण से पैदा हो दूसरा जो सुविधा के कारण उत्पन्न हो और तीसरा प्रेम ईश्वर के प्रति प्रेम।प्रेम के अनेकानेक स्वरूप है लेकिन इसकी जो अभिव्यक्ति है हर स्थान समय के अनुसार बदलती रहती है सांसारिक प्रेम महासागर की तरह होता है पर महासागर का भी एक तल है दिव्य प्रेम आकाश की तरह होता है असीम और अनंत महासागर के तल से ऊपर उठ जाओ विशाल नभ की ओर तो आपको दिव्य प्रेम की अनुभूति होगी अंत में उन्होंने सारांश के रूप में बताया वसंत परिदृश्य में खिलता है संसार प्रेम रंग में ही छिपा इस जीवन का सार प्रेम शब्द जो जान ले वही सफल इंसान बिना प्रेम की जिंदगी जैसी रेगिस्तान। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री ऋचा गुप्ता व अध्यक्ष ममता शर्मा ने भी अपने विचार रखे।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कमला हंस, सरला बजाज उषा सूद, मृदुल अग्रवाल, रविन्द्र गुप्ता के मधुर भजन हुए।

युवा निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण ।। ओ३म् ।। हे कर्मशील मनुष्य तू कर्म कर

शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कु. चौहान के सानिध्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिविर

बलमुपास्व

शनिवार 1 जून से रविवार 9 जून 2024 तक

विशाल आर्य युवक चरित्र व व्यक्तित्व निर्माण शिविर

स्थानः ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल सैक्टर–44, नोएडा

उद्घाटन समारोह **भव्य समापन समारोह**

शनिवार 1 जून, शाम 5 बजे से 7 बजे तक ✸ **रविवार 9 जून, प्रातः 11 से 1:00 बजे तक**

नयी पीढ़ी को मातृ–पितृ भक्त, ईश्वर भक्त एवं देशभक्त बनाने का संकल्प

राष्ट्रीय भावना, अनुशासित जीवन, नैतिक शिक्षा तथा युवा पीढ़ी को महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से ओतप्रोत करने तथा शारीरिक व बौद्धिक रूप से सक्षम बनाने तथा उच्चकोटि के व्यायामाचार्यों द्वारा योगासन, ध्यान, प्राणायाम, दण्ड–बैठक, लाठी, जूडो–कराटे, बाक्सिंग, स्तूप आदि आत्मरक्षा सम्बन्धी शिक्षण के साथ–साथ वैदिक विद्वानों द्वारा सन्ध्या, यज्ञ, आर्य संस्कृति व वैदिक सिद्धान्तों पर चर्चा, भाषण कला, नेतृत्व कला व आत्मविश्वास के विकास हेतु शिविर का आयोजन।

योग साधना शिविरः इसके साथ ही चलेगा जिसमें महिला–पुरूष दोनों भाग ले सकेंगें–शुल्क 500/– रूपये

आवश्यक नियम व निर्देश :– (1) इच्छुक नवयुवक 250 रू० प्रवेश शुल्क सहित प्रवेश पत्र भरकर **अंतिम तिथि 20 मई 24** तक अपना स्थान सुरक्षित करवा लें। (२) **सभी शिविरार्थी १ जून को दोपहर १ बजे तक शिविर स्थल पर रिपोर्ट करें** (३) पूर्ण वेशभूषा–सफेद टी शर्ट, सफेद सैण्डो बनियान, सफेद निक्कर, सफेद जुराब, सफेद कपड़े के जूते, कान तक की लाठी, टार्च, सन्ध्या यज्ञ की पुस्तक, कापी, पैन, कुर्ता पायजामा व ऋतु अनुकूल बिस्तर भी साथ लायें। (4) आवश्यक बर्तन थाली, कटोरी, मग, गिलास आदि भी साथ लायें (5) आयु 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के युवक शिविर में भाग ले सकते हैं। (6) अनुशासन व दैनिक दिनचर्या प्रातः 4 बजे से रात्री 10 बजे तक का पालन करना अनिवार्य होगा। (7) परिषद् की ओर से भोजन व आवास प्रबन्ध निःशुल्क रहेगा।

बौद्धिक : सर्वश्री डॉ. जयेन्द्र आचार्य, रविदेव गुप्ता, विजय भूषण आर्य, गवेन्द्र शास्त्री, विमलेश बंसल, श्रुति सेतिया, ऋचा गुप्ता
शिक्षक गण: सर्वश्री मनोज नागर, योगेन्द्र शास्त्री, विरेन्द्र आर्य, विकास कुमार, नसीब सिंह, मानवेन्द्र शास्त्री, रोहित कुमार
प्रबन्धकगण : प्रि. रेणू सिंह, प्रताप सिंह, पिंकी आर्या, यज्ञवीर चौहान, कै. अशोक गुलाटी, कमल आर्य, माधवसिंह आर्य, गौरव झा, देवेन्द्र गुप्ता, संतोष शास्त्री, विरेश आर्य, दिनेश आर्य, अजेन्द्र शास्त्री, विवेक अग्निहोत्री, त्रिलोक आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री

दानी महानुभावों की सेवा में अपील

आप जानते ही हैं कि इस विशाल रचनात्मक आयोजन में नौ दिन तक तीन समय के प्रातः राश तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रूपये व्यय हो जाता है जो कि आपके स्नेह व सहयोग से ही पूरा होना है। अतः आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से, अपनी आर्य समाज या मित्रों की ओर से अधिक से अधिक सहयोग करवाने की कृपा करें। कृपया समस्त क्रास चैक/ड्राफ्ट **''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली''** के नाम से भिजवाने की कृपा करें। आप ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, शुद्ध घी, रिफाइण्ड, मसाले, पाउडर दूध, सब्जी, दलिया के रूप में भी सामान भिजवाकर सहयोग कर सकते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपनी ओर से तथा अपने इष्ट मित्रों से भी अधिक से अधिक सहायता राशि भिजवाने की कृपा करेंगे ।

एमिटी युवक शिविर के लिए नोएडा में सम्पर्क अभियान

रविवार 7 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य एमिटी शिविर की तैयारी के लिए निमन्त्रण देने आर्य समाज मयूर विहार फेज 2, फेज 1, अरुण विहार नोएडा व सेक्टर 33 नोएडा गए। प्रथम चित्र आर्य समाज सेक्टर 33 नोएडा का व द्वितीय चित्र अरुण विहार सेक्टर 29 नोएडा का है। बहिन गायत्री मीना, कैप्टन अशोक गुलाटी, मेजर जनरल आर के एस भाटिया, मुक्ति कांत महापात्रा ,अमरेश त्यागी का हार्दिक धन्यवाद।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य युवक परिषद् युवाओं के चरित्र निर्माण के लिये देश भर में युवा निर्माण शिविर आयोजित करेगी। उन्होंने जाति जनगणना को राष्ट्र हित में घातक बताया।शिविरों से नयी पीढ़ी भारतीय संस्कृति से परिचित हो सकेगी। आज युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की और अग्रसर हो रही है उन्हें अपनी गौरव शाली संस्कृति से परिचय करवाया जाए जिससे वह अपनी संस्कृति पर गर्व कर सकें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि गाजियाबाद से 50 आर्य युवक शिविर में भाग लेंगे। बैठक का कुशल संचालन परिषद के राष्ट्रीय महासचिव महेंद्र भाई ने किया।बैठक में आगामी सत्र के लिए नई टीम बनाने का सर्वसम्मति से अधिकार अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया। शिविरों की तैयारी के लिए योगेन्द्र शास्त्री, सौरभ गुप्ता, रोहित कुमार शाखाओं से जनसंपर्क अधिकारी का कार्य देखेंगे। **बधाई रिचा गुप्ता**–केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आर्य युवती परिषद दिल्ली प्रदेश का श्रीमती ऋचा गुप्ता को संयोजक मनोनीत किया गया,वह शीघ्र एक बैठक बुलाकर पूरी टीम का गठन करेंगी। प्रमुख रूप से राधा भारद्वाज, सोनिया संजू, सुरेश आर्य, यज्ञवीर चौहान, वीरेन्द्र योगाचार्य ,श्री कृष्ण दहिया, रिचा गुप्ता, देवेन्द्र आर्य बंधु, सुभाष बब्बर,धर्म पाल आर्य, सुरेश आर्य, रामकुमार आर्य, सुन्दर शास्त्री, अरुण आर्य, प्रकाश वीर शास्त्री, श्री निवास तिवारी, अमर सिंह आर्य, वरुण कथूरिया,भोपाल सिंह आर्य ,ओम सपरा,दुर्गेश आर्य, संतोष शास्त्री, संजीव आर्य, राधा कांत शास्त्री, श्री कांत शास्त्री, कैप्टन अशोक गुलाटी, यशोवीर आर्य, ऋषि पाल शास्त्री आदि ने अपने विचार रखे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.:** 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970